

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 283 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 23 नवम्बर, 2026

मूल्य ₹ 3/-



शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट... 7 | बिहार में फिर गरमाई सियासत बयानों... 3 | भाजपा का कमल अब मुरझा... 2

सपा-कांग्रेस की सियासी दोस्ती पर मठ्ठा डालने की भाजपाई हसरतें!

सपा ने आफर की 50 सीटें, दिल्ली में प्रमोद तिवारी के घर पर मंथन

» आज की मीटिंग में लिस्ट का आदान-प्रदान

» अच्छे महौल में हुई मीटिंग कल भी बैठेंगे दोनों दलों के नेता

» धक-धक कर रहा नेताओं का दिल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सियासत में दोस्ती भी अजीब चीज है। जब तक चुनाव दूर होते हैं तबतक सियासत हाथ में हाथ डालकर चलती है। चुनाव करीब आते ही हाथों की पकड़ ढीली होने लगती है। अब उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच विधानसभा सीटों के बंटवारे पर मंथन की खबरें हैं।

सवाल सिर्फ सीटों का नहीं सियासी हिस्सेदारी का भी है। अखिलेश यादव कितनी जमीन छोड़ेंगे और कांग्रेस कितनी जमीन पर दावा ठोकेगी? उधर भाजपा की रणनीति पर भी निगाहें हैं। विपक्षी एकता में दरार की उम्मीदें गठबंधन के भीतर महत्वाकांक्षाएं और बाहर से बनते-बिगड़ते राजनीतिक समीकरण। क्या यह महज सीटों का गणित है या आने वाले चुनाव की सबसे बड़ी सियासी पटकथा लिखी जा रही है।

"2022 में सपा ने 111 सीटें जीती थीं कांग्रेस सिर्फ दो सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा ने 255 सीटें हासिल कर सत्ता बरकरार रखी थी।"

100 सीटों से कम पर समझौते के लिए नहीं तैयार कांग्रेस

रामगोपाल यादव पहुंचे प्रमोद तिवारी के आवास

उत्तर प्रदेश 27



2024 के लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश में भाजपा को दी थी कड़ी चुनौती।

दोनों दलों ने एक-दूसरे को सौंपी सीटों की सूची

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सपा-कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे की पहली राउंड की बैठक आज सीटों की लिस्ट की अदला बदली के साथ खत्म हो गयी। सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर पहुंचे जहां उन्हें उन सीटों की लिस्ट सौंपी गयी जहां से कांग्रेस चुनाव लड़ने के इच्छुक है। कांग्रेस अध्यक्ष अराधना मिश्रा ने बताया कि दोनों दलों



के नेता अगले दिन फिर मिलेंगे और उम्मीद जताई कि तीन-चार दिनों में सीटों को लेकर सहमति बन जाएगी। खास बात यह रही कि दोनों दलों के बीच सीटों की सूची का आदान-प्रदान भी हुआ। बैठक के बाद रामगोपाल यादव ने माहौल को बेहद अच्छा बताया।

2024 की दोस्ती 2027 की अग्निपरीक्षा

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश में भाजपा को कड़ी चुनौती दी। सपा को 37 और कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई। यह परिणाम दोनों दलों के लिए राजनीतिक आत्मविश्वास का आधार बना। लेकिन अब विधानसभा का मैदान है। 2022 में सपा ने 111 सीटें जीती थीं कांग्रेस सिर्फ दो सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा ने 255 सीटें हासिल कर सत्ता बरकरार रखी थी। कांग्रेस का तर्क है कि 2024 के नतीजे बताते हैं कि उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता वापस लौटी है। सपा का तर्क है कि लोकसभा चुनाव की सफलता को विधानसभा की सीटों में सीधे नहीं बदला जा सकता। यही वह जगह है जहां गठबंधन की असली परीक्षा शुरू होती है। कांग्रेस अगर लोकसभा के प्रदर्शन को आधार बनाएगी तो सपा विधानसभा के पिछले नतीजों और अपने संगठन की ताकत का हिसाब रखेगी। कांग्रेस को अपनी जमीन चाहिए अखिलेश को अपना आधार बचाना है। दोनों की मजबूरी एक है और महत्वाकांक्षा अलग-अलग।

सीटों की मंडी में दोस्ती का भाव

दिल्ली में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू हो चुकी है। शुरुआती वार्ता में दोनों दलों की समितियां 403 विधानसभा क्षेत्रों के राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा कर रही हैं। सपा की ओर से रामगोपाल यादव की अगुवाई में चार सदस्यीय समिति बनाई गई है। कांग्रेस की बातचीत में प्रियंका गांधी वाड्रा सहित वरिष्ठ नेताओं की भूमिका है। लेकिन इस पूरी कवायद में सबसे दिलचस्प आंकड़ा 181 है। अखिलेश यादव ने सार्वजनिक रूप से कहा कि कांग्रेस ने 181 सीटों की मांग की है। कांग्रेस ने इस संख्या को अपनी अंतिम और बाध्यकारी मांग मानने से इनकार किया है लेकिन 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की उसकी महत्वाकांक्षा साफ दिखाई दे रही है। दूसरी तरफ सपा का गणित बिल्कुल अलग है। खबरों के मुताबिक शुरुआती पेशकश 24-25 सीटों के आसपास हो सकती है। हालांकि बातचीत का आधार सभी सीटों पर जीत की संभावना और संगठन की ताकत को बताया जा रहा है। यानी एक तरफ कांग्रेस को सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहिए दूसरी तरफ सपा को अपने राजनीतिक वर्चस्व से समझौता नहीं करना है। गठबंधन का गणित कुछ ऐसा है कि दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है लेकिन दोनों एक-दूसरे की जरूरत से ज्यादा फायदा उठाने का जोखिम भी नहीं लेना चाहते।

सपा-कांग्रेस के आपसी तालमेल को बीजेपी बता रही है भीख का कटोरा



भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा है कि हमारी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पूर्णकालिक रूप से समाज सेवा में लगे हुए हैं। वह समाज से जुड़े रहते हैं और उसकी भलाई की चिंता करते हैं। वे कांग्रेस या राहुल गांधी की तरह कुछ घंटे काम करके छुट्टियों पर नहीं चले जाते। हमारे सभी नेता समाज की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत को लेकर विवादास्पद बयान देते हुए कहा है कि देखाना यह है कि कांग्रेस के भीख के कटोरे में अखिलेश कितनी सीटें डालते हैं।

भाजपा का कमल अब मुरझा गया है: अखिलेश

» सपा प्रमुख का भाजपा पर हमला, बोले-यूपी में लाठी की जगह लैपटॉप राज आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिा भाजपा पर हमला बोला है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा का कमल अब मुरझा गया है, इसलिए वे राधे-राधे का नारा दे रहे हैं। हमारे यहां तो विदाई के वक्त भी राधे-राधे कहा जाता है।

अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो के जरिये संदेश दिया कि अब यूपी में लाठी की जगह लैपटॉप राज आएगा। सपा की सरकार बनने पर सुपर कंडक्टर की कंपनी भी लगाई जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री उत्पल राय, लोनी से अनिल कसाना, सीतापुर से अवधेश चौहान के अलावा विनय प्रताप , वीरेंद्र , अदनान, असरफ खान और महेश कुमार बबलू समेत कई नेता विभिन्न दलों से सपा में शामिल हुए।

अखिलेश यादव ने नए साथियों का स्वागत करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि सपा में शामिल होने के कारण भाजपा उनके साथ अन्याय नहीं कर सकती है। सपा उनका पूरा साथ देगी। 10 अफसर साल से एक ही कुर्सी पर जमे हैं, उन्हें हटाने के लिए चुनाव आयोग में शिकायत की जाएगी।



गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में भाजपा के कार्यकर्ता बने पुलिस अफसर

अखिलेश यादव ने कहा कि जो अधिकारी भाजपा सरकार में 10 साल से एक ही कुर्सी पर जमे हैं, उन्हें हटाने के लिए चुनाव आयोग में शिकायत की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में तमाम पुलिस व प्रशासन के अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ता बनकर काम कर रहे हैं। साथ ही कहा कि इस मुद्दे पर दो दिन का शोक बीत जाने के बाद वे मीडिया के साथ अपनी बात रखेंगे। उन्होंने यह बात सीएम योगी आदित्यनाथ की माता के निधन को लेकर कही थी। सपा अध्यक्ष ने 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने वाले बयान का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि चुनाव आयोग के दबाव के चलते सीएम इस मुद्दे पर चुप हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बताया जाना चाहिए कि ये आंकड़े उनके पास कहां से आए।

भाजपा भ्रष्टाचार की मास्टर

सपा प्रमुख ने कहा कि आज के समय में भाजपा सबसे बड़ा संकट है और उसके हटने पर ही संकट हटेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार की मास्टर है। पीडीए अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि एक भावनात्मक मुद्दा बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि सपा की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना खत्म की जाएगी।

बूथ मजबूत करने की अपील

अखिलेश यादव ने बूथ स्तर के नेताओं से अपील की कि वे नए वोट बनवाएं, क्योंकि जब बूथ जीतेंगे तभी सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता तैयार है और जिस दिन चुनाव घोषित होगा, भाजपा चुनाव हार जाएगी।

जमीन तक पहुंची पीडीए की ताकत

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने 30 अक्तूबर को अपनी बैठक में वोटर लिस्ट में साजिश की योजना बनाई है। उन्होंने विरोधी दलों द्वारा पीडीए की परिभाषाएं गढ़ने पर कहा कि पीडीए की पीडीए की ताकत जमीन तक पहुंच गई है। अभी तो सपा का विरोध करने वालों की इतनी भाषा बदलेगी कि आप (संवाददाता) कल्पना नहीं कर सकते हो।

सपा-कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं: चंद्रशेखर

» आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती देने के लिए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा में शामिल होने के द्वार इन दलों के लिए खुले हैं।

आजाद ने बताया कि उन्होंने सभी विपक्षी दलों से गठबंधन बनाने के लिए संपर्क किया था। उन्होंने जिम्मेदार नेताओं को औपचारिक संदेश भी भेजे थे। जब उन्हें लगा कि वे साथ नहीं आना चाहते, तो उन्होंने अलग मोर्चा बनाने का फैसला किया। उनका अनुभव बताता है कि भाजपा को हराने के लिए बड़े वोट शेयर वाले बड़े गठबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने 2017 और 2022 के चुनावों का उदाहरण दिया। आजाद ने सपा-कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे 2017, 2019, 2022 और 2024 में भी गंभीर नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन विपक्षी दलों में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है। गरीब और कमजोर लोगों पर अत्याचार होते हैं, लेकिन इन नेताओं को कोई कष्ट नहीं होता। आजाद ने अपनी पार्टी के असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन को भाजपा की बी-टीम कहने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि लोग ऐसे टिप्पणी करने वालों को जवाब देंगे, क्योंकि यह तर्क संविधान के विरुद्ध है। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि 2022 में कांग्रेस ने सपा के खिलाफ 399 सीटों पर चुनाव लड़ा और करीब 300 सीटों पर जमानत जब्त हुई। उन्होंने पूछा कि क्या तब कांग्रेस बी-टीम थी। आजाद ने सपा द्वारा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये नेता सत्ता को अपनी पैतृक संपत्ति मानते हैं।



बसपा पर लोगो का विश्वास कम हुआ

आजाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। उन्होंने बताया कि 2007 में बसपा का वोट शेयर 30 फीसदी था, जो अब घटकर नौ फीसदी रह गया है। यह 21 फीसदी का अंतर दर्शाता है कि चुनाव दर चुनाव लोगों का विश्वास घटा है। उन्होंने कहा कि आज बसपा का लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा में एक भी प्रतिनिधि नहीं है। इसके विपरीत, आजाद समाज पार्टी का समर्थन आधार लगातार बढ़ रहा है।

पंजाब में बन सकता है सियासी समीकरण

» अकाली दल पुनर सुरजीत और बसपा आएंगे साथ

» वारिस पंजाब दे भी होगा शामिल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदकोट । पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) और बहुजन समाज पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होने जा रहा है। इस गठबंधन को लेकर बातचीत भी पूरी हो चुकी है और इसका औपचारिक ऐलान जल्द किए जाने की संभावना है।

इस संबंध में रविवार देर शाम फरीदकोट में अकाली दल (पुनर सुरजीत) के अध्यक्ष ज्ञानी हरप्रीत सिंह और बसपा के वरिष्ठ नेता अवतार सिंह करीमपुरी के बीच अहम बैठक हुई। बैठक में विधानसभा चुनावों में दोनों दलों के एक साथ चुनाव मैदान में उतरने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। अकाली दल पुनर सुरजीत फरीदकोट के नेता अमनिंदर सिंह बन्नी ने गठबंधन को लेकर दोनों नेताओं की मुलाकात की पुष्टि करते हुए कहा कि लगभग सहमति हो चुकी है।

अब गठबंधन का औपचारिक ऐलान जल्द कर दिया जाएगा। इस संभावित गठबंधन को पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि इससे पहले बसपा की अकाली दल वारिस पंजाब दे के साथ गठबंधन की बातचीत हो चुकी है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही अकाली दल वारिस, अकाली दल पुनर सुरजीत और बसपा का गठबंधन हो सकता है।

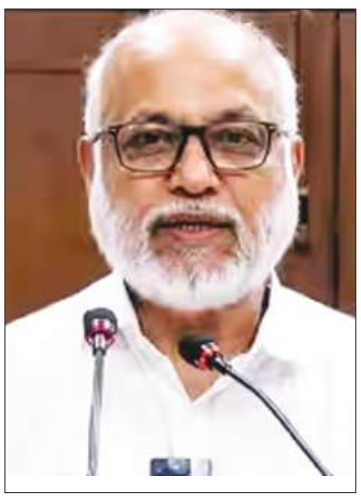
स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से तय होंगे गठबंधन के फैसले: बेबी

» माकपा महासचिव ने कहा भाजपा से मुकाबले को बनानी होगी ठोस रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। माकपा महासचिव एम ए बेबी ने कोलकाता में स्पष्ट किया कि भाजपा से मुकाबले के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी समन्वय बना है, मगर चुनावी रणनीति हर राज्य में भिन्न होगी। सीताराम येचुरी फाउंडेशन के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि केरल में कांग्रेस से मुकाबला करने के बावजूद पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर साथ है, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल से गठबंधन का निर्णय राज्य समिति ने परिस्थितियों के आधार पर लिया है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 'इंडिया' गठबंधन बनाया गया था, लेकिन अलग-अलग राज्यों में राजनीतिक फैसले वहां की परिस्थितियों के अनुसार लिए जाएंगे। सीताराम येचुरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में बेबी ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना को लेकर पार्टी का रुख दोहराया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक ममता बनर्जी के भाजपा विरोधी सभी ताकतों से एकजुट होने की अपील करने से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''फासीवादी प्रवृत्तियों वाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) केंद्र की सत्ता में काबिज भाजपा को नियंत्रित करता है इस खतरे का मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन बनाया गया था। माकपा इसका हिस्सा है। हालांकि, हर राज्य की परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं और फैसले उसी के अनुसार लिए जाते हैं।'' पश्चिम बंगाल में तृणमूल के साथ गठबंधन की संभावना पर बेबी ने कहा कि पार्टी की राज्य इकाई ने वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है। उन्होंने कहा, हम केरलम में कांग्रेस के खिलाफ लड़ रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन में उसके साथ हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पार्टी की राज्य समिति ने वहां की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है।



बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



सीट बंटवारे से पहले ही सुभासपा और निषाद पार्टी में रार

» दो सीटों पर राजभर ने ठोका दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा नीत एनडीए के दो प्रमुख सहयोगी दलों के बीच सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। आजमगढ़ की अतरौलिया सीट पर निषाद पार्टी के साथ सुभासपा ने भी दावा ठोंक दिया है। इससे दोनों दलों के नेताओं के बीच रार बढ़ती दिख रही है।

2022 के विधानसभा चुनाव में दोनों सीटें निषाद पार्टी के खाते में गई थीं। हालांकि, अतरौलिया में सपा के संग्राम यादव ने निषाद पार्टी के प्रत्याशी को हराकर सीट बरकरार रखी थी, जबकि चौरीचौरा से निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के बेटे ने जीत दर्ज की थी। अब 2027 के चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की कवायद के बीच दोनों दल पिछले चुनाव के मतों और अपने कोर वोट बैंक के आधार पर दावेदारी कर रहे हैं।





सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का कहना है कि उनकी पार्टी अतरौलिया में ढाई साल से मेहनत कर रही है। वहां राजभर और निषाद समाज के वोट लगभग बराबर हैं। चौरीचौरा में राजभर समाज के 50 हजार वोट हैं। ऐसे में क्या निषाद पार्टी अपना दावा छोड़ देगी? वहीं, निषाद पार्टी अध्यक्ष संजय निषाद का तर्क है कि दोनों सीटें पिछली बार उनकी पार्टी को मिली थीं। चौरीचौरा से उनके बेटे ने चुनाव भी जीता था। इसलिए दोनों सीटों पर उनका स्वाभाविक हक है।

सम्मेलन से बढ़ी तल्खी

रविवार को निषाद पार्टी ने आजमगढ़ के अतरौलिया में संवैधानिक सुरक्षा अधिकार सम्मेलन आयोजित किया। इसमें निषाद और राजभर जातियों के आरक्षण के मुद्दे पर सुभासपा को साथ आने का आह्वान किया गया। इस आयोजन से सुभासपा असहज हुई। दोनों दल एनडीए में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटे हैं।

बिहार में फिर गरमाई सियासत बयानों पर आफत

तेजस्वी यादव पर संजय झा ने किया पलटवार

जदयू ने जांच और कार्रवाई की मांग की

» मंत्री अशोक चौधरी व निशांत कुमार को मुख्यमंत्री के सुरक्षाकर्मी द्वारा धकेलने का मामला गरमाया

» मंत्री अशोक चौधरी व निशांत कुमार को मुख्यमंत्री के सुरक्षाकर्मी द्वारा धकेलने का मामला गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



पटना। बिहार में सियासी रस्सकशी अभी भी कायम है। जहां विपक्ष व सत्ता पक्ष में वार-पलटवार जारी है वहीं सत्तापक्ष के सहयोगी दलों में भी आपसी मनमुटाव लगातार सामने आता जा रहा है। कभी जदयू तो कभी लोजपा रामविलास पासवान भाजपा पर किसी न किसी मुद्दे पर हमलावर रहती हैं। उधर राजद कबिनेट मंत्री अशोक चौधरी का लेकर सम्राट सरकार बिफरी हुई है। बिहार के वैशाली जिले में प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को मुख्यमंत्री के सुरक्षाकर्मी द्वारा धकेलने का मामला सामने आया है।

इस घटना का वीडियो प्रसारित होने के बाद जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने पुलिस मुख्यालय से मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। वहीं मुख्यमंत्री सुरक्षा समूह ने इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल के दौरान हुई मानवीय चूक बताया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के एक सुरक्षाकर्मी के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को कथित तौर पर धक्का देने की घटना पर जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के विधान परिषद सदस्य एवं प्रवक्ता नीरज कुमार ने बृहस्पतिवार को नाराजगी जताई। यह घटना निशांत के वैशाली जिले के आधिकारिक दौरे के दौरान हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में वैशाली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सुरक्षाकर्मी निशांत को पीछे की ओर धकेलते हुए दिखाई देते हैं। उस समय मुख्यमंत्री आगे चल रहे थे और सुरक्षाकर्मी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे थे। पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस मुख्यालय से वीडियो का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा,सोशल मीडिया पर सामने आया वीडियो बेहद दुखद है।

सुरक्षाकर्मी ने शायद निशांत को देखा नहीं होगा, उसने जानबूझकर उन्हें धक्का नहीं दिया होगा : अशोक चौधरी



हालांकि, जदयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री अशोक चौधरी इस घटना को तूल देने से बचने की कोशिश करते नजर आए। वह निशांत के पिता एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं। चौधरी ने कहा, सुरक्षाकर्मी ने शायद निशांत को देखा नहीं होगा। उसने जानबूझकर उन्हें धक्का नहीं दिया होगा। मेरा मानना है कि कोई भी सुरक्षाकर्मी जानबूझकर निशांत या किसी अन्य मंत्री के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करेगा।

निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए था : तेजस्वी



संवाददाताओं ने इस मामले पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से भी प्रतिक्रिया मांगी। तेजस्वी ने कहा, किसने किसे धक्का दिया, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। हालांकि, बाद में संवाददाताओं से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद उनके बेटे निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया, जदयू के कुछ नेताओं ने नीतीश कुमार की कमजोर मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर भाजपा के साथ गठबंधन किया और मंत्री पद के रूप में व्यक्तिगत लाभ हासिल किए। नीतीश कुमार के पद छोड़ने के बाद निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के निशांत कुमार को लेकर दिए बयान पर भी संजय झा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की विचारधारा और नीतीश कुमार के काम एवं सुशासन के रास्ते पर पार्टी चलती है। उनको यह सोचना चाहिए कि जिनके लीडरशिप को उनके परिवार के लोग ही चुनौती देते हैं, उनके नेता लोग ही चुनौती देते हैं। उनके लीडरशिप में बार-बार जनता रिजेक्ट कर रही है, उनको इसके बारे में सोचना चाहिए।

यह जानबूझकर किया गया था : नीरजकुमार



पुलिस मुख्यालय को इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई शुरू करनी चाहिए और पता लगाना चाहिए कि क्या यह जानबूझकर किया गया था। नीरज ने कहा, निशांत वैशाली के प्रभारी मंत्री हैं और प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री के साथ वहां गए थे। उनके साथ इस तरह का व्यवहार सभी के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार अपनी शालीनता, सादगी और लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं और कोई भी उनका अनादर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, "निशांत कुमार और सम्राट चौधरी की जोड़ी शानदार है। उनका अनादर करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।" उन्होंने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भ्रामक बातें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) ने इस घटना को मानवीय चूक बताया

इस बीच, मुख्यमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले बिहार पुलिस के विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) ने इस घटना को मानवीय चूक बताया। एसएसजी ने एक बयान में कहा कि जांच में पता चला है कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते समय उसके कर्मियों से मानवीय चूक के कारण यह घटना हुई। एसएसजी ने यह भी कहा कि कुछ महीने पहले तक उसने करीब दो दशक तक निशांत कुमार को सुरक्षा मुहैया कराई थी।

वह एक चूक थी. जानबूझकर नहीं किया गया था : संजय झा



मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के एक सुरक्षाकर्मी ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को हाथ लगाकर उन्हें साइड कर दिया था। इस मामले में एसएसजी ने मानवीय भूल बताते हुए गलती मानी है और अब इस पर जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार (20 नवंबर, 2026) को पटना में संजय झा मीडिया से बात कर रहे थे। संजय झा ने कहा कि हमने भी वायरल वीडियो को देखा था। उसके बाद हमने निशांत कुमार को फोन किया कि क्या बात हुई थी। उन्होंने हमसे कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। वह एक चूक थी। जानबूझकर नहीं किया गया था। संजय झा ने कहा कि यह एक मानवीय भूल की बात हो सकती है, लेकिन कोई जानबूझकर करेगा यह कहां से संभव है? हमने विस्तार से बात की है। सिक्योरिटी वाले आगे थे और निशांत कुमार पीछे थे। सीएम सिक्योरिटी का अपना काम होता है और वे वही कर रहे थे। सिक्योरिटी वाले ने पीछे निशांत कुमार को नहीं देखा। संजय झा ने कहा कि सिक्योरिटी वाले भी इस बात के लिए खंडन कर चुके हैं कि यह एक मानवीय भूल हुई है।

राजद बोली- नौ महीने से फर्जी मंत्री को सरकार में बैठा रखा है

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक व्यक्ति के एक साथ मंत्री, सहायक प्राध्यापक और विधान पार्षद के पद पर रहने को लेकर सवाल उठाए हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने संविधान और नियमों की अनदेखी करते हुए नौ महीने से एक ऐसे व्यक्ति को मंत्री बना रखा है, जिसकी नियुक्ति और पद पर बने रहने को लेकर गंभीर आपत्तियां हैं। उन्होंने दावा किया कि लोकभवन ने भी एक व्यक्ति के तीन पदों पर रहने को लेकर आपत्ति जताई है। तेजस्वी ने कहा कि इस मामले को लेकर वह ऊपर तक जाएंगे। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बिहार सरकार पर संविधान की अवहेलना का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, बिहार सरकार ने संविधान को फाड़कर कूड़े के ढेर में फेंक दिया है। नौ महीनों से एक फर्जी मंत्री को सरकार में बैठा रखा है और वह अवैध मंत्री हर प्रकार के अवैधानिक कार्यों में संलिप्त है। तेजस्वी ने दावा किया कि लोकभवन ने एक ही व्यक्ति के एक साथ तीन पदों पर रहने यानी मंत्री, सहायक प्राध्यापक और विधान पार्षद होने पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रावधानों और नियमों के विपरीत संबंधित व्यक्ति की सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति की गई। तेजस्वी यादव ने सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति और उसके बाद छुट्टी पर जाने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रियाओं और नियमों की अनदेखी की गई। उनके मुताबिक, नियुक्ति के अगले ही दिन संबंधित व्यक्ति प्रोबेशन अवधि के दौरान लंबी और अनिश्चितकालीन छुट्टी पर चले गए। तेजस्वी ने विश्वविद्यालय के सेवा नियमों का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या प्रोबेशन अवधि में इस तरह की छुट्टी ली जा सकती है और क्या अनिश्चितकालीन छुट्टी स्वीकार करने का कोई प्रावधान है।

जिद... सच की



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

पेशेवर दक्षता के साथ जिम्मेदारी भी तय हो

निजी जीवन का हर पहलू कंपनी का मामला नहीं हो सकता, लेकिन जब निजी संबंधों से संस्थागत हित प्रभावित होने की आशंका हो तो उसे केवल निजी मामला कहकर टाला भी नहीं जा सकता। एनवीडिया का महत्व अब किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं है। उसके चिप एआइ की वैश्विक दौड़ के केंद्र में हैं।

आप जब बड़े पद पर होते हैं तो आपकी जिम्मेदारी भी बड़ी होती है। किसी कंपनी को खड़ा करने में एक व्यक्ति की प्रतिभा, दूरदृष्टि और नेतृत्व में बड़ी भूमिका उसे कंपनी से बड़ा होने का भ्रम दे देती है। ऐसा होने पर व्यक्ति अपने आचरण के प्रति लापरवाह हो जाता है। दुनिया की सबसे बड़ी एआइ चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के प्रमुख जेनसेन हुआंग के प्रेम संबंधों का मामला भी ऐसा ही उदाहरण है, जिसने दुनिया की आइटी इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया है। शीर्ष नेतृत्व के लिए केवल पेशेवर दक्षता पर्याप्त नहीं है। ईमानदारी, विवेक, गोपनीयता के प्रति प्रतिबद्धता व हितों के टकराव से बचने का आचरण भी उतना ही जरूरी है। निजी जीवन का हर पहलू कंपनी का मामला नहीं हो सकता, लेकिन जब निजी संबंधों से संस्थागत हित प्रभावित होने की आशंका हो तो उसे केवल निजी मामला कहकर टाला भी नहीं जा सकता। एनवीडिया का महत्व अब किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं है। उसके चिप एआइ की वैश्विक दौड़ के केंद्र में हैं। उसके कारोबारी फैसले तकनीकी प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा तक असर डालते हैं। ऐसे में उसके मुखिया के आचरण पर उठे सवालों का दायरा स्वाभाविक रूप से बड़ा हो जाता है।

कंपनी किसी व्यक्ति से बड़ी होती है पर, बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाले व्यक्ति के चरित्र का सवाल भी कंपनी के भविष्य से छोटा नहीं होता। इस मामले में हुआंग के इस्तीफे और उन्हें वापस लाने के लिए 1.80 लाख से अधिक लोगों की अपील ने कारोबारी पारदर्शिता की जरूरत और ऐसा न करने पर होने वाले नुकसान के सवाल को फिर से महत्वपूर्ण बना दिया है। हुआंग ने तीन दशक से अधिक समय तक कंपनी का नेतृत्व किया और उसे तकनीक की दुनिया की सबसे प्रभावशाली कंपनियों में शामिल कराया।वैसे कहा जा सकता है कि हुआंग के प्रेम संबंध उनका निजी विषय है और उसका किसी कंपनी के कामकाज से क्या लेना-देना? इसका जवाब इतना आसान नहीं है। उससे सच्चाई, ईमानदारी और पारदर्शिता की उम्मीद भी उतनी ही बढ़ जाती है। यदि वह कंपनी का प्रमुख है तो उसके साथ हजारों-लाखों अन्य लोगों के भविष्य भी स्वयं ही जुड़ जाते हैं। हुआंग के चरित्र पर उठे सवाल का दायरा अतिरिक्त किसी महिला से संबंध रखने तक सीमित नहीं है। सच छिपाने का अपराध ज्यादा बड़ा है क्योंकि यह संदेह को बल प्रदान करता है। हुआंग के प्रेम संबंध जिस महिला से बताए जा रहे हैं उस पर अमरीकी खुफिया एजेंसियों को चीनी जासूस होने का शक भी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धान के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिकूल असर

पंकज चतुर्वेदी

देश की कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर एक बार फिर मौसम की अनिश्चितता और अल नीनो का गंभीर साया मंडराता नजर आ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार मानसून का कमजोर और असमान रहना खरीफ सीजन के लिए नुकसानदायक साबित हुआ, जिसका असर देश की मुख्य खाद्यान्न फसल यानी धान के रकबे और उसकी कुल पैदावार पर पड़ने की आशंका है। हालांकि, भारत में कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 149.07 से 150.18 मिलियन टन धान का बंपर उत्पादन हुआ था। देश दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक होने के साथ-साथ वर्ष 2012 से सबसे बड़ा निर्यातक भी बना हुआ है, किंतु इस बार की मौसमी परिस्थितियां चिंता का विषय जरूर बन रही हैं।

मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान कृषि प्रधान राज्यों में मानसून की बेरुखी और सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज किए जाने के कारण धान की रोपाई और कुल रकबे में भारी गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार देश भर में धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले घटकर काफी नीचे आ गया है, जिससे उत्तर प्रदेश के पूर्वी और तराई वाले क्षेत्रों तथा हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन प्रभावित होने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा, कटाई के समय बेमौसम बारिश के कारण मंडियों में पहुंचे धान का एक बड़ा हिस्सा भीग गया, जिससे उनमें नमी की मात्रा सामान्य से 20 से 22 प्रतिशत तक बढ़ गई है। नमी अधिक होने के कारण मिल मालिक और खरीदार भी धान की खरीद में गहरी रुचि नहीं दिखा रहे हैं और किसानों को कम दाम देने पर मजबूर कर रहे हैं। इस स्थिति का प्रभाव स्थानीय बाजारों और खुदरा मूल्यों पर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। फसल अभी पूरी तरह बाजार में उतरी भी नहीं है कि खुदरा बाजारों में चावल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की जा चुकी है। देश के कई हिस्सों में सोना मसूरी, पोनी और स्वर्णा जैसी लोकप्रिय किस्मों के दाम 10 से 25 प्रतिशत तक उछल चुके हैं।

वहीं प्रीमियम चावल के दाम कुछ दक्षिणी क्षेत्रों में और भी अधिक बढ़े हैं। जानकारों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और युद्ध जैसे हालातों के चलते जहां एक ओर कई देश अपने घरेलू खाद्य भंडारों को सुरक्षित करने में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर घरेलू स्तर पर मांग बढ़ने से कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि पूसा के वैज्ञानिकों और कुछ धान विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि देश के पास पर्याप्त बफर स्टॉक



मौजूद है और अगेती तथा पिछैती किस्मों का सही संतुलन अंतत: इस नुकसान की भरपाई करने में मददगार साबित हो सकता है। घरेलू बाजार के साथ-साथ इस मौसमी बदलाव और उत्पादन की अनिश्चितता का असर कृषि निर्यात पर भी पड़ने की पूरी आशंका है। भारत वैश्विक बाजार में बासमती और गैर-बासमती चावल का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश ने लगभग 20.19 मिलियन मीट्रिक टन चावल का निर्यात किया था, जिसका कुल मूल्य लगभग 12.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। चालू वर्ष में भी निर्यात को लेकर शुरुआती अनुमान अच्छे थे। सऊदी अरब, बेनिन, इराक, ईरान, गिनी, कोट डी आइवर, संयुक्त अरब अमीरात और टोगो जैसे देश हमारे चावल के प्रमुख खरीदार हैं। लेकिन दूसरी ओर, धान की बढ़ती लागत, फसल की अनिश्चितता और नमीयुक्त फसल के कारण निर्यातकों के मुनाफे पर भारी दबाव बन आया है। निर्यातकों का कहना है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय चावल की कीमतें बनाए रखना और प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखना इस समय एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इन तमाम चुनौतियों के बीच देश का सुरक्षित और केंद्रीय सरकारी भंडार फिलहाल काफी मजबूत स्थिति में है, जो किसी भी आपात स्थिति या खाद्य संकट से निपटने के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच प्रदान करता है। उपभोक्ता मामलों और खाद्य निगम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय खाद्य निगम के पास पर्याप्त मात्रा में चावल का स्टॉक उपलब्ध है, जो सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम बफर स्टॉक के मानकों से कई गुना अधिक है।

अल नीनो और मानसून की अनियमितता ने कृषि क्षेत्र के सामने एक गंभीर चेतावनी पेश कर दी है, जिससे धान के साथ-साथ आगामी रबी सीजन की अन्य फसलों जैसे गेहूं, सरसों और चने की बुआई पर भी आंशिक संकट पैदा हुआ है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट और जलाशयों में पानी की कमी के कारण सिंचाई को लेकर किसानों की चिंताएं बढ़ी हैं। हालांकि, भारत की मजबूत कृषि बुनियाद, किसानों का अथक परिश्रम और सरकार के पास उपलब्ध विशाल बफर स्टॉक इस बात का पूरा भरोसा दिलाते हैं कि देश किसी भी बड़े खाद्य संकट से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

संवेदना-संवाद और विश्वास से संवारे बचपन



प्रमोद कुमार बाजपेयी

पिछले दिनों बच्चों के हिंसक और असामान्य व्यवहार से जुड़ी कई घटनाएं सामने आईं। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में एक 12 वर्षीय लड़की ने चार साल के बच्चे को छत पर बनी पानी की टंकी में डुबो दिया। वहीं, पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में छह वर्षीय बच्ची के साथ हुई बर्बरता की खबर ने संवेदनशील समाज को भीतर तक झकझोर दिया। आखिर इतनी कम उम्र में बच्चों में इतना गुस्सा कहां से आ रहा है? स्कूल परिसर में एक मासूम बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित क्यों नहीं हो सकी? सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आज बचपन पहले की तुलना में अधिक असुरक्षित होता जा रहा है? पंचकूला की घटना में पीड़ित बच्ची की पीड़ा और उसके भविष्य पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ हिंसा करने वाले आठ वर्षीय बच्चे के व्यवहार को समझना भी जरूरी है। बच्ची को न्याय, सुरक्षा और मनोवैज्ञानिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे के परिवेश और मन: स्थिति की पड़ताल भी उतनी ही आवश्यक है।

बच्चा परिवार और परिवेश में जो देखता है, उसे अपने व्यवहार में उतारने की कोशिश करता है। दरअसल, बाल हिंसा की अवधारणा किसी बच्चे के साथ मारपीट या यौन शोषण तक सीमित नहीं है। इसमें शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना, अपमान, धमकी, भावनात्मक उपेक्षा, बुलिंग, बाल श्रम, तस्करी और डिजिटल माध्यमों से होने वाला शोषण भी शामिल है। हिंसा घर, विद्यालय और डिजिटल दुनिया में भी होती है। बच्चों की डिजिटल माध्यमों तक पहुंच तेजी से बढ़ी है, लेकिन सुरक्षा और मार्गदर्शन के उपाय उस अनुपात में विकसित नहीं हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मई 2026 के तथ्यपत्र के अनुसार, विश्व में दो से 17 वर्ष आयु वर्ग के लगभग एक अरब बच्चे पिछले एक वर्ष में शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा अथवा उपेक्षा का अनुभव कर चुके हैं। यह समस्या किसी देश, संस्कृति या आर्थिक वर्ग तक सीमित नहीं है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2023 में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,77,335 मामले दर्ज हुए, जो वर्ष 2022 के 1,62,449 मामलों की तुलना में 9.2 प्रतिशत अधिक थे। बाल हिंसा का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि हिंसा का भुक्तभोगी बच्चा कई बार स्वयं हिंसक व्यवहार करने लगता है।

घर में मारपीट, गाली-गलौज, अपमान और भय का वातावरण बच्चे के मन पर गहरी छाप छोड़ता है। वह ताकत के इस्तेमाल को अपनी बात मनवाने का तरीका समझने लगता है और अपने भीतर के अभाव, हताशा व आक्रोश को दूसरे बच्चों पर उतार सकता है। आज परिवारों की संरचना, जीवनशैली और प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। माता-पिता की व्यस्तता, प्रतिस्पर्धा का दबाव, पारिवारिक कलह और बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अभाव एक नई चुनौती बनकर उभरे हैं।

कई बार माता-पिता बच्चों की भौतिक आवश्यकताओं को पूरा करना ही अपनी जिम्मेदारी समझ लेते हैं, जबकि उनकी भावनात्मक जरूरतों, असुरक्षाओं और मन में चल रहे द्वंद्व को समझने के लिए समय नहीं निकाल पाते। डिजिटल माध्यमों ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। मोबाइल गेम, सोशल मीडिया, हिंसक वीडियो और इंटरनेट पर उपलब्ध अनुपयुक्त सामग्री बच्चों की सोच और व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब ऐसी सामग्री पर कोई नियंत्रण न हो और बच्चा वास्तविक व आभासी दुनिया के अंतर को समझने में कठिनाई महसूस करे। विद्यालयों की भूमिका भी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने और परीक्षा परिणाम सुधारने तक सीमित नहीं रह सकती। स्कूलों में सुरक्षित वातावरण, प्रशिक्षित शिक्षक, प्रभावी निगरानी और शिकायत निवारण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। पंचकूला के जिस स्कूल में घटना घटी, वहां 800 बच्चे और 20 शिक्षक हैं, लेकिन घटना वाले दिन 12 शिक्षक अनुपस्थित थे। यानी उस दिन प्रभावी रूप से प्रति 100 बच्चों पर केवल एक शिक्षक उपलब्ध था। इतने शिक्षकों का एक साथ अनुपस्थित होना चिंताजनक है। भारत में बाल संरक्षण के लिए किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। आवश्यकता इनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। स्कूलों में नियमित मनोवैज्ञानिक परामर्श, व्यवहार संबंधी कठिनाइयों की समय रहते पहचान, शिक्षकों का संवेदनशील प्रशिक्षण और अभिभावकों के लिए सकारात्मक पालन-पोषण संबंधी कार्यक्रम विकसित किए जाने चाहिए। बच्चों को यह विश्वास होना चाहिए कि वे किसी भी भय, दुर्व्यवहार या परेशानी के बारे में बिना डरे किसी विश्वसनीय वयस्क को बता सकते हैं।

हिंसा के शिकार बच्चों के लिए शारीरिक उपचार के साथ दीर्घकालीन मनोवैज्ञानिक सहयोग की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरी ओर, हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चों के मामले में भी उनकी उम्र, मानसिक परिपक्वता, पारिवारिक परिस्थितियों और व्यवहार संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की सहायता ली जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और हिंसक प्रवृत्ति वाले बच्चों को समय रहते समझकर संभाला जा सके। सवाल केवल यह नहीं है कि बच्चे हिंसा के शिकार क्यों हो रहे हैं; सवाल यह भी है कि हम उन्हें ऐसा बचपन देने में क्यों असफल हो रहे हैं, जिसमें हिंसा की जगह संवेदना, भय की जगह विश्वास और आक्रामकता की जगह संवाद हो?

साल के अंत में इन जगहों पर जाएं घूमने

साल के आखिरी महीनों में अगर आप कुछ दिन सुकून से बिताना चाहते हैं, तो इस दौरान भारत की कई जगहों में मौसम सुहावना रहता है, जिससे नई जगहों को एक्सप्लोर करना और भी मजेदार हो जाता है। चाहे आपको पहाड़ों की वादियां पसंद हों, ऐतिहासिक किले देखने का शौक हो या प्रकृति के बीच वक्त बिताना हो, भारत में हर तरह के ट्रैवल लवर्स के लिए कई शानदार विकल्प मौजूद हैं। ये दिन भारत की अलग-अलग जगहें आपकी छुट्टियों को खास बना सकती हैं। कहीं पहाड़ों की ठंडी हवाएं और खूबसूरत वादियां आपका मन मोह लेंगी, तो कहीं समुद्र किनारे सुकून भरे पल बिताने का मौका मिलेगा। वहीं, ऐतिहासिक शहरों और आध्यात्मिक स्थलों की सैर भी इस महीने को यादगार बना सकती है। अगर आप इन दिनों कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो भारत की ऐसी शानदार जगहों पर घूमने जरूर जाएं जहां घूमने का अनुभव आपको जरूर पसंद आएगा।



अलेप्पी (केरल)

केरल का अलप्पुझा, जिसे एलेप्पी के नाम से भी जाना जाता है। इसे अपनी सुंदर झीलों, लैगून और नहरों के कारण पूर्व का वेनिस भी कहा जाता है। अपने खूबसूरत बैकवॉटर और हाउसबोट के लिए पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां नारियल के ऊंचे पेड़ों और हरियाली से घिरे जलमार्गों में हाउसबोट की सैर करना यादगार अनुभव साबित हो सकता है। इस दौरान पानी के किनारे बसे गांवों, पारंपरिक घरों और स्थानीय जीवनशैली को करीब से जानने का मौका मिलता है। नवंबर में अलप्पुझा घूमने के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, हालांकि यात्रा से पहले मौसम की स्थिति जरूर जांच लें।



हम्पी (कर्नाटक)

अगर आपको पुराने किलों, मंदिरों और ऐतिहासिक इमारतों को करीब से देखने का शौक है, तो नवंबर में कर्नाटक का हम्पी घूमने के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहां की प्राचीन वास्तुकला और विजयनगर साम्राज्य के अवशेष अतीत की गौरवशाली कहानी बयां करते हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध हम्पी में पत्थरों से बने रथ, भव्य मंदिर और ऐतिहासिक खंडहर देखने लायक हैं। नवंबर में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने से यहां पैदल घूमना और साइकिल से आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करना भी सुविधाजनक हो सकता है। यात्रा से पहले हम्पी उत्सव की तारीखें जरूर जांच लें, क्योंकि इसका आयोजन हर साल एक ही समय पर हो, यह जरूरी नहीं है।



अमृतसर

अमृतसर घूमने का प्लान धार्मिक आस्था, इतिहास और देशभक्ति का अनोखा अनुभव दे सकता है। यहां स्थित स्वर्ण मंदिर की खूबसूरती और शांत वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करता है। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शहर में खास रौनक देखने को मिलती है और गुरुद्वारों में विशेष आयोजन किए जाते हैं। इसके अलावा, आप जलियांवाला बाग में इतिहास को करीब से जान सकते हैं और वाघा-अटारी बॉर्डर पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का अनुभव ले सकते हैं। हालांकि, त्योहार के दौरान यहां काफी भीड़ रहती है, इसलिए होटल और यात्रा की बुकिंग पहले से करना बेहतर रहेगा।

शिलॉन्ग

नवंबर में घूमने के लिए शिलॉन्ग एक शानदार विकल्प हो सकता है। मेघालय की इस खूबसूरत पहाड़ी नगरी में आपको हरे-भरे नजारे, सुहावना वातावरण और स्थानीय संस्कृति को करीब से जानने का मौका मिलता है। मानसून के बाद यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है। नवंबर में आयोजित होने वाला चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल भी शिलॉन्ग की रौनक बढ़ा देता है। हालांकि, गुलाबी फूलों की खूबसूरती देखने का अनुभव उनके खिलने के समय और मौसम पर निर्भर करता है।

हंसना मना है

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा- ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न-पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति- तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी बोली- तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है, ऐसी जिंदगी पर।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

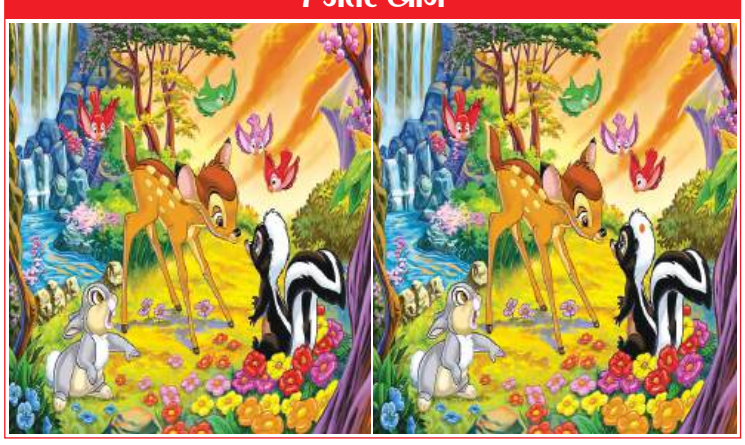
बाबा - दीदी एक रोटी दे दो, सुबह से भूखा हूं... अंदर से आवाज आई - दीदी तेरी बैंक गई है, आज तो जीजा भी भूखा है...

कहानी | अंधेरे का भूत

सोनपुर नाम का एक बड़ा सा गांव हुआ करता था जहां अधिकतर खेतीबाड़ी करने वाले किसान रहा करते थे। वहीं, गांव के पास ही घने जंगलों के बीच पीपल के पेड़ में एक भूत रहा करता था। भूत दिनभर तो गायब रहता, लेकिन रात होते ही वह गांव वालों को खूब परेशान किया करता था। रात होते ही भूत पूरे गांव के चक्कर काटने लगता और कभी किसी के पशुओं को नुकसान पहुंचाता तो किसी किसान को इतना डराता कि वो रातभर सो नहीं पाता। भूत के डर से शाम होते ही गांव में सन्नाटा फैल जाता और रात को कोई भी घर से बाहर नहीं निकला करता था। एक बार भूत से परेशान गांव के लोगों ने एक बहुत बड़े साधू को गांव में बुलाया और उनसे अपनी समस्या का निदान करने के लिए गुजारिश की। गांव वाले साधू को उस पेड़ के पास ले जाते हैं, जहां भूत का वास होता है। साधू अपने जप और तप से भूत को काबू करने की बहुत कोशिश करता है, लेकिन वह उसके हाथ नहीं आता। अंत में साधू भूत पर काबू पाने की युक्ति निकाल लेता है और सब गांव वालों से कहता है कि ये भूत केवल रात के अंधेरे में निकलता है, जिसका अर्थ है कि इसे दिन की रोशनी से डर लगता है और रोशनी के सहारे ही भूत से छुटकारा पाया जा सकता है। साधू की बात सुनकर सभी गांव वाले मिलकर एक योजना बनाते हैं। रात को जब भूत पेड़ से निकलकर गांव में प्रवेश करता है तो किसान हाथों में मशाल लिए चारों ओर उजाला कर देते हैं। रोशनी को देखकर भूत डर जाता है और वापस पेड़ की ओर भाग जाता है। वहीं, गांव वाले भी उसके पीछे-पीछे पेड़ के पास पहुंच जाते हैं। रोशनी में साधू भूत को पेड़ से बांध देता है और फिर गांव वाले भूत को उस पेड़ के साथ ही जला देते हैं। इस तरह से गांव वालों को भूत की समस्या से निजात मिल जाता है।

कहानी से सीख-समस्या चाहे कैसी भी हो, अगर बुद्धि का प्रयोग किया जाए तो उससे निजात पाया जा सकता है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय के नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। उत्साह बना रहेगा, फिर भी पर्याप्त आराम और नियमित दिनचर्या जरूरी है।

वृषभ

कार्यक्षेत्र में शांत रहकर काम करें और किसी भी गोपनीय योजना को साझा करने से बचें। दूरस्थ या विदेशी संपर्कों से जुड़े कामों में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन

सहकर्मियों के सहयोग से कठिन काम भी पूरे हो सकते हैं। नए संपर्कों और मित्रों के माध्यम से व्यापार बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। बचत पर भी ध्यान दें।

कर्क

अधिकारियों के साथ तालमेल बनाए रखें और जिम्मेदारियों को गंभीरता से पूरा करें। व्यापार विस्तार की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं, अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें।

सिंह

भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारिक यात्रा या नए अनुबंधों के लिए योजना बनाने का अच्छा समय है।

कन्या

कार्यक्षेत्र में गोपनीयता बनाए रखें और विवादों से दूर रहकर काम करें। साझेदारी और लेनदेन के दस्तावेज ध्यान से जांचें। परिजनों से बातचीत में धैर्य रखें।

तुला

टीम के साथ मिलकर काम करने से आपके प्रोजेक्ट समय पर पूरे हो सकते हैं। साझेदारी के कामों में पारदर्शिता रखें, इससे लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृश्चिक

मेहनत और अनुशासन से कार्यक्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत कर पाएंगे। पुराने बकाया और कर्ज से जुड़े मामलों को सुलझाने में प्रगति होगी। आंखों को पर्याप्त आराम दें।

धनु

रचनात्मक विचारों से वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षा, तकनीक और परामर्श से जुड़े कामों में नए अवसर मिलेंगे। संतान की उपलब्धि से खुशी मिलेगी।

मकर

घर और दफ्तर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करें। भूमि, भवन और वाहन से जुड़े मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। मानसिक शांति के लिए ध्यान करें।

कुम्भ

साहस और पराक्रम से कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगे। छोटी यात्राओं और नए संपर्कों से व्यापारिक लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

मीन

पारिवारिक व्यवसाय और पुराने संपर्कों से लाभ के अवसर मिल सकते हैं। घर में किसी मांगलिक कार्य की चर्चा हो सकती है। दिन आगे बढ़ने पर आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कॉफी विद करण 9, शो में अक्षय कुमार-रवि किशन की जोड़ी मचाएगी धमाल

चर्चित चैट शो कॉफी विद करण एक बार फिर अपने नए मेहमानों और मजेदार बातचीत को लेकर चर्चा में है। शो के नौवें सीजन के आगामी एपिसोड में बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता रवि किशन एक साथ नजर आने वाले हैं।

दोनों की जोड़ी करण जौहर के काउच पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। अब शो का नया प्रोमो सामने आ चुका है, जिसमें दोनों सितारों के बीच जबरदस्त मस्ती, हंसी-मजाक और



दिलचस्प किस्से देखने को मिल रहे हैं। प्रोमो में देखने को मिलता है कि करण जौहर सबसे पहले दोनों मेहमानों का स्वागत करते नजर आते हैं। फिर वह बताते हैं कि इस अनोखी जोड़ी को शो में साथ लाने का आइडिया खुद अक्षय कुमार का था। वैसे तो दोनों कलाकारों की जोड़ी पहली नजर में थोड़ी अलग लग सकती है, लेकिन उनके बीच पुराना रिश्ता है। दोनों पहले भी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं और एक-दूसरे के साथ अच्छी बॉन्डिंग साझा करते हैं।

शो में मस्ती का सिलसिला तब शुरू होता है, जब रवि किशन अक्षय कुमार को अपना मशहूर वायरल हुक स्टेप सिखाते नजर आते हैं। देखते ही देखते करण जौहर का काउच डांस फ्लोर बन जाता है। वहीं, रवि किशन अपने चर्चित अंदाज में खुद को बिहार का ब्रैड पिट बताते हैं और अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहते हैं कि उन्होंने सफलता तक पहुंचने के लिए रेंगकर सफर तय किया है।

प्रोमो में रैपिड फायर राउंड भी काफी दिलचस्प नजर आता है। करण जौहर अक्षय कुमार से कुछ ऐसा सवाल करते हैं कि जिसका जवाब अभिनेता मजाकिया अंदाज में देते हैं। खिलाड़ी कुमार का जवाब सुनकर हर कोई हंसने लग जाता है। बता दें कि कॉफी विद करण सीजन 9 का यह नया एपिसोड बुधवार शाम 7 बजे जियोहॉटस्टार के द पीकॉक हब पर स्ट्रीम होगा।

अनिल कपूर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से की मुलाकात

अनिल कपूर ने हाल ही में पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। एक्टर ने मैक्रों के साथ अपनी पिछली बातचीत को भी याद किया, जो तब हुई थी जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति भारत आए थे। उन्होंने बताया कि उनकी बातचीत इतनी सहज थी कि ऐसा लगा मानो वे एक-दूसरे को वर्षों से जानते हों।

अनिल कपूर ने मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में मैक्रों एक्टर का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में दोनों एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने अनिल को अपना ऑफिस भी घुमाया, जहां उन्होंने नेपोलियन के जमाने की कई कलाकृतियां देखीं।

फोटोज शेयर करते हुए अनिल ने लिखा, जब मैं भारत में पहली बार राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिला, तो हमारी बातचीत इतनी सहज थी कि ऐसा लगा मानो हम एक-दूसरे को बरसों से जानते हों। पेरिस में उनसे दोबारा मिलकर वही आत्मीयता फिर महसूस हुई। हमने कला, संस्कृति, सिनेमा, AI, ऊर्जा और वास्तुकला पर चर्चा की, और उनके कार्यालय में नेपोलियन के समय की कुछ बेहद खूबसूरत चीजें देखीं। इतिहास के सबक से लेकर हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य तक- यह बातचीत वाकई बहुत ज्ञानवर्धक और समृद्ध करने वाली रही। उन्होंने आगे कहा, मेरे प्यारे इमैनुएल, आपकी दयालुता के लिए और पेरिस में मुझे व मेरे भतीजे को बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस कराने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे हमारी दोस्ती पर खुशी है और मैं भारत में आपका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।

अनिल चार दशकों से भी अधिक समय से भारतीय सिनेमा का एक जाना-माना चेहरा रहे हैं। मशाल, मेरी जंग और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों से उन्हें शोहरत मिली, और इसके बाद उन्होंने तेजाब, राम लखन, बेटा और नायक जैसी फिल्मों में कई यादगार अभिनय किए। फिल्म पुकार में अपने अभिनय के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

एक्टर ने डैनी बॉयल की ऑस्कर विनर फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई। बाद में वे मिशन इम्पॉसिबल-घोस्ट प्रोटोकॉल में नजर आए और अमेरिकी टीवी सीरीज 24 के भारतीय वर्जन में लीड रोल किया।



आयुष्मान खुराना की सास बनेंगी गोरी मेम!

डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की फिल्म ये प्रेम मोल लिया आने वाले शुक्रवार को रिलीज होने वाली है। ये एक फैमिली-ड्रामा फिल्म है, जिसके लिए राजश्री प्रोडक्शन्स जाना जाता है। इस फिल्म के जरिए सूरज बड़जात्या ने अपनी फिल्मों के नए प्रेम यानी आयुष्मान खुराना को भी इंट्रोड्यूस किया है। उनके साथ-साथ शरवरी वाघ भी हैं, जो राजश्री की नई हीरोइन बनीं। फिल्म ये प्रेम मोल लिया का ट्रेलर कुछ ही वक्त पहले सामने आया, जिसमें हमने कई सारे कलाकारों को देखा। इसमें हमें भाभीजी घर पर हैं की गोरी मेम यानी सौम्या टंडन भी नजर आईं।

सौम्या का किरदार हीरोइन के मायके की तरफ से दिखाया गया है। रिपोर्ट्स हैं कि वो शरवरी की बुआ बनी हैं, जिनका फिल्म में काफी इमोशनल ट्रैक होगा, और कहानी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। इस लिहाज से देखा जाए, तो वो आयुष्मान के किरदार प्रेम की सास बनी हैं। गौर करने वाली बात ये है कि असल जिंदगी में सौम्या और आयुष्मान खुराना की उम्र एक ही है, दोनों 42 साल के हैं। ऐसे में ये कास्टिंग सुनने में थोड़ी अटपटी लग सकती है। हालांकि फिल्म ये प्रेम मोल लिया में सौम्या टंडन का क्या किरदार होगा, इसकी कोई पुष्टि नहीं की जा सकती। वो शरवरी से कैसे रिलेटेड होंगी, इसका खुलासा तो फिल्म जब सिनेमाघरों में रिलीज होगी तभी हो पाएगा।



सलमान खान ने दी हरी झंडी, जरूर आयेगी दबंग-4

सलमान खान जल्द ही अपनी मोस्ट-अवेटेड फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने अपनी हिट फिल्म फ्रेंचाइजी दबंग के चौथे पार्ट को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि दबंग 4 जरूर बनेगी। हालांकि, बजरंगी भाईजान 2 का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हो सकती है, क्योंकि सलमान इस फिल्म का सीक्वल बनाने के पक्ष में नहीं हैं।



शुक्रवार को एबीपी समिट में पहुंचे सलमान खान ने अपनी फिल्मों और उनके सीक्वल को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म मातृभूमि से जुड़ी उम्मीदों पर भी जवाब दिया। साथ ही बताया कि दबंग 4 कब आगे बढ़ सकती है और बजरंगी भाईजान की कहानी को दोबारा पर्दे पर लाना उन्हें क्यों सही नहीं लगता। सलमान खान से उनकी फिल्म मातृभूमि से जुड़ी उम्मीदों के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने अपने मजाकिया अंदाज में कहा, हमने यह फिल्म इस इरादे से नहीं बनाई थी कि यह रिलीज हो और बुरी तरह फ्लॉप हो जाए।

...जब मौत के मुंह से बची थीं काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल इन दिनों नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आ रही हैं। फिल्म में उन्होंने रावण की रानी मंदोदरी का किरदार निभाया है। अब इस बीच काजल ने फिल्म इंडियन 2 से जुड़ा एक काफी भयानक किस्सा शेयर किया है।

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने फरवरी 2020 की उस रात को याद किया, जब निर्देशक शंकर की फिल्म इंडियन 2 की शूटिंग के दौरान एक भारी क्रेन गिर गई थी। चेन्नई के ईवीपी फिल्म सिटी में हुए इस हादसे में तीन क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। उस समय काजल अग्रवाल और अभिनेता कमल हासन भी सेट पर मौजूद थे।

इस घटना को याद करते हुए काजल ने बताया, सबसे पहले मेरी जान जानी चाहिए थी। आमतौर पर फिल्मों के सेट पर कलाकार मॉनिटर के पास बैठते हैं और उस दिन भी हम वहीं बैठे थे। मैं एक फाइट सीन के लिए 80 साल की बुजुर्ग महिला के लुक में तैयार थी। जब सेट पर अचानक अफरा-तफरी मची और सभी लोग भागने लगे, तो मैं भी वहां से भागी। काजल ने आगे बताया, अचानक मेरे मन में आया कि मैं क्यों भाग रही हूं, मुझे पीछे मुड़कर देखना चाहिए कि आखिर हो क्या रहा है। जैसे ही मैंने पीछे देखा, मुझे 100 फीट ऊंची क्रेन अपनी तरफ गिरती हुई दिखाई दी। सब कुछ एक सेकंड के छोटे से हिस्से में हुआ। उसे अपनी तरफ गिरते देखकर मैं बिल्कुल जम गई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने उन्हें क्रेन के रास्ते से खींचकर दूर कर दिया हो। क्रेन उनके बेहद करीब आकर गिरी थी। इस हादसे के बाद वह काफी डर गई थीं और कई दिनों तक इस घटना को समझने की कोशिश करती रहीं।

काजल ने बताया कि इस हादसे से सुरक्षित बचने के बाद उनके मन में भगवान कृष्ण के प्रति आस्था और गहरी हो गई। उन्हें लगा कि किसी अदृश्य शक्ति ने उस दिन उनकी जान बचाई है। इस घटना ने उनकी जिंदगी को देखने का नजरिया भी बदल दिया।

यूपी विस चुनाव-27 में पिछड़े-दलितों की एकजुटता होगी निर्णायक : राजेन्द्र पाल

» यूपी कांग्रेस ने कसी कमर
» मथुरा के सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के आह्वान पर आज मथुरा जनपद के ग्राम दामोदरपुरा में आयोजित सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन में अपार जनसमूह उमड़ पड़ा। सम्मेलन में मथुरा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पिछड़े, दलित, शोषित, वंचित समाज के लोगों, युवाओं, किसानों, मजदूरों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की। सम्मेलन में संविधान की रक्षा, जातिगत जनगणना, आरक्षण, सामाजिक समानता और आबादी के अनुपात में राजनीतिक हिस्सेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोरदार आवाज बुलंद की गई।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है, लेकिन आज संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। सामाजिक न्याय की लड़ाई केवल किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलते हुए दलित, पिछड़े और वंचित समाज को उनका संवैधानिक अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि सत्ता, संसाधनों और निर्णय प्रक्रिया में पिछड़े समाज की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, राजकुमार मौर्या, विधानमंडल दल नेता वीरेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव और मीडिया चेयरमैन कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि 2027 का चुनाव संविधान, आरक्षण, रोजगार और जनता के अधिकारों का चुनाव होगा। जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने जनसमूह का आभार जताया।



संविधान दिवस पर कांग्रेस निकालेगी 'संविधान रक्षा मार्च'

आगामी 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा, हजरतगंज तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़े? के नेतृत्व में 'संविधान रक्षा मार्च' निकाला जाएगा। इसको लेकर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरू भवन में तैयारी बैठक सम्पन्न हुई।बैठक राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी सांसद की मौजूदगी में हुई, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना', पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया, सांसद तनुज पुनिया सहित प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण मौजूद थे।तैयारी बैठक में संविधान रक्षा मार्च को लेकर कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

1857 की अमर नायिका वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका और अदम्य साहस की प्रतीक वीरांगना झलकारी बाई की जयंती उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय नेहरू भवन, लखनऊ में पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने वीरांगना झलकारी बाई के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में मुख्यालय में मौजूद सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महान वीरांगना को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि झलकारी बाई ने रानी लक्ष्मीबाई के वेश में अंग्रेजों से लोहा लेकर भारतीय इतिहास में वीरता, त्याग और स्वाभिमान की अमिट मिसाल कायम की। उनका जीवन आज भी महिलाओं, युवाओं और वंचित समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कांग्रेस उनके साहस, समानता और सामाजिक न्याय के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बंगाल एसआईआर पर सुप्रीम निर्देश

» ट्रिब्यूनल की संख्या बढ़ाएं चुनावी क्षेत्र को प्राथमिकता दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले की सुनवाई करते हुए अपीलों के तेज और पारदर्शी निपटारे के लिए अहम निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने आदेश दिया है कि अपील ट्रिब्यूनल की संख्या बढ़ाई जाए। अदालत ने नाम जोड़ने (इनक्लूजन) और नाम हटाने (एक्सक्लूजन) से जुड़ी अपीलों को अलग-अलग कैटेगरी में बांटने के लिए कहा है। इसके साथ ही नाम जोड़ने के मामलों को प्राथमिकता दी जाए। कोर्ट ने लोगों की सुविधा और मामलों के तुरंत हल के लिए कोलकाता के कई हिस्सों में ट्रिब्यूनल स्थापित करने को भी कहा है।



सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए 7 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्रों की लंबित अपीलों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश भी दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि जिन लोगों को वोटर लिस्ट में नाम न होने के चलते सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है, वह हाई कोर्ट जा सकते हैं। वहीं प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देशों का पालन नहीं करने पर एक एसपी को दोषी ठहराने और उन पर जुर्माना लगाने वाले बिहार के न्यायिक अधिकारी को सोमवार को फटकार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि बाहुबली की तरह व्यवहार करना बंद करें। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बिहार के न्यायाधीश अनिल कुमार के आचरण पर सवाल उठाए और कहा कि कानून की उनकी समझ बेहद भयावह है। न्यायमूर्ति बागची ने मौखिक टिप्पणी में कहा, कानून की आपकी समझ से हम वास्तव में हैरान हैं।आपको पहले बीएनएसएस की धारा 384 और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 345 के दायरे और व्यापकता को समझना चाहिए। यदि कोई किसी को थप्पड़ मारता है या अदालत में गाली-गलौज करता है, या निर्देश दिए जाने के बावजूद अदालत कक्ष से बाहर जाने से इनकार करता है, तो यह अदालत के समक्ष किया गया अपराध है।

सीजेआई सूर्यकांत की न्यायिक अधिकारियों को फटकार

» बोले- हमें पता है दिन भर क्या करते हैं, बस 24 घंटे सुविधाएं चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस -सीजेआई सूर्यकांत ने सोमवार को कुछ न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उनका कहना है कि ऐसे अधिकारी अपने अदालती कार्यों पर ध्यान देने के बजाए, सिर्फ अपने ही लाभ के बारे में सोचते रहते हैं और समय बिता देते हैं। जबकि, अदालतों के बाहर लोग कतारें लगाए खड़े रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कुछ न्यायिक अधिकारियों द्वारा अपनी सर्विस और रिटायरमेंट के बाद के लाभों से जुड़े विषयों पर बार-बार अदालतों का चक्कर काटने के बर्ताव के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि ऐसे अधिकारियों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट को कुछ भी पता नहीं है कि उनका दिनभर क्या चलता रहता है।



लाइव लॉ के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, अब वे कुछ ज्यादा ही बोल रहे हैं। हर चीज में न्यायिक अधिकारी आवेदन लगा रहे हैं कि यह मंजूरी दी जाए। वो अदालत में काम क्यों नहीं करते? हमें पता है कि वे क्या कर रहे हैं, पूरे दिन क्या करते रहते हैं। वे 10 बजे जाते हैं। कोई कोर्ट में नहीं रहता, चैंबर में बैठे रहते हैं, कॉफी चलती रहती है। एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट को पता ही नहीं है कि नीचे क्या चल रहा है।

सीएम आवास पहुंचे भाजपा नेता के परिजन

» की सीबीआई जांच की मांग
» बोले-हमारा यही गुनाह है कि हम क्षत्रिय हैं!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुबग्गा क्षेत्र में कुछ महीने पहले हुई भाजपा नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह की हत्या का मामला एक बार फिर चर्चा में है। हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सोमवार को मृतक के परिजन मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। हालांकि, परिवार का आरोप है कि उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने नहीं दिया गया। मृतक के भाई धर्मेंद्र सिंह ने मामले में प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। धर्मेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर आरोप लगाया कि उनके भाई के हत्याकांड में एक राज्य मंत्री के बेटे और एक विधायक का नाम सामने आया था।

उन्होंने दावा किया कि ड्राइवर ने प्लासियो चौकी में पूछताछ के दौरान इन लोगों के नाम बताए थे, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं और न्याय मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि परिवार पिछले तीन महीने से न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। कमिश्नर, विधायकों और मंत्रियों से भी मुलाकात की, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। उनके मुताबिक, गांव के हजारों लोगों ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर पैदल मार्च निकाला था, जिसे शासन-प्रशासन ने कथित तौर पर जबरन रोक दिया और जांच की मांग से संबंधित पत्र ले लिया। परिवार ने पुलिस पर भी दबाव बनाने का आरोप लगाया। धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि पुलिस उनके घर और चौकी पहुंचकर चेतावनी दे चुकी है कि यदि न्याय की मांग की या मुख्यमंत्री कार्यालय जाने की कोशिश की तो राजपुर गांव के सट्टा केस में जेल भेज दिया जाएगा।



प्रभावशाली लोगों के नाम आने के बाद नहीं हो रही कार्रवाई

भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ

» मिचेल और फिलिप्स ने दिखाया दम, भारतीय बॉलर विकेट को तरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हो गया है। जब मैच खत्म करने का फैसला लिया गया, तब भारत को जीत के लिए पांच विकेट की जरूरत थी और 15 ओवर बाकी थे, लेकिन इतने विकेट हासिल करना मुश्किल नजर आ रहा था। ऐसे में भारतीय टीम ने मुकाबले को ड्रॉ पर समाप्त करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में शानदार संघर्ष करते हुए भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाया। इस तरह भारत के हाथ से जीत का मौका निकल गया और न्यूजीलैंड टेस्ट बचाने में सफल रहा।

डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों को पांचवें दिन विकेट के लिए तरसा दिया। दोनों ने मिलकर 258 गेंदों तक भारतीय गेंदबाजों का सामना किया और 63 रन जोड़े। मिचेल 186 गेंद में 49 रन और ग्लेन फिलिप्स 126 गेंद में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने 120 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 239 रन बना लिए थे। पांचवें दिन ज्यादा से ज्यादा 15 ओवर का खेल बाकी था। इसके बाद कप्तान अंपायर्स ने मैच को ड्रॉ पर समाप्त करने का फैसला लिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाए थे और पारी घोषित की थी। न्यूजीलैंड ने पांचवें दिन दो विकेट पर 119 रन से आगे खेलना शुरू किया। भारत को डेवोन कॉनवे के रूप में पहली सफलता मिली। कॉनवे 165 गेंद में 65 रन बनाकर सुंदर का शिकार बने। फिर रचिन रवींद्र को प्रसिद्ध कृष्णा ने ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। टॉम ब्लंडेल को अंशुल कंबोज ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया।



भारत ने दूसरे सत्र में गंवाए कई मौके

भारत को आज दूसरे सत्र में विकेट के कई मौके मिले, लेकिन टीम उनका फायदा नहीं उठा सकी। डेरिल मिचेल को तीन बार जीवनदान मिला। पहले आकाश दीप रन आउट का आसान मौका चूक गए। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर मिचेल के बल्ले का अंदरूनी किनारा लगा और गेंद उछल गई, लेकिन फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर कोई फील्डर मौजूद नहीं था। फिर अंशुल कंबोज की गेंद मिचेल के ग्लव्स से लगी, लेकिन देवदत्त पडिक्कल मुश्किल कैच नहीं पकड़ सके। ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए दूसरे नई गेंद का डटकर सामना किया।

आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर महाराष्ट्र में मचा सियासी बवाल

» संजय राउत का विधानसभा अध्यक्ष पर जमीन हड़पने का लगाया आरोप

» राहुल नार्वेकर ने आरोपों को सिरे से खारिज किया दी मानहानि की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर महाराष्ट्र में सियासी बवाल मच गया है। शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अलीबाग में आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जे के आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को पद से हटाने और प्रभावित परिवारों को पुनर्वास व मुआवजा देने की अपील की। वहीं राहुल नार्वेकर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है।

शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर रायगढ़ के अलीबाग में आदिवासी परिवारों की जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया और उन्हें पद से हटाए जाने की मांग की। वहीं, नार्वेकर ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि





वह राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राउत के आरोप उनकी पार्टी में बगावत के बाद शिवसेना विधायकों की अयोग्यता संबंधी मामले में उनके आदेश से जुड़े हैं। राउत ने कहा कि फरवरी 2024 में नार्वेकर ने अपनी पत्नी सरोजिनी के नाम पर (15 एकड़) जमीन खरीदी थी। उन्होंने आरोप लगाया, ''जब पता चला कि जमीन पर आदिवासियों के घर बने हुए हैं, तो नार्वेकर का एजेंट दशरथ पाटिल एक बड़ी भीड़ के साथ वहां पहुंचा और बिना किसी पूर्व सूचना के, जेसीबी का इस्तेमाल करके आदिवासियों के घरों को ढहा दिया।'' राउत ने कहा, ''जब आदिवासी-कटकारी परिवारों ने पीड़ा में गुहार लगाई, तो उन्हें अपनी बस्ती (वाडी) से दो-तीन किलोमीटर दूर किसी दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर किया गया। कुछ परिवारों को थोड़ी-बहुत रकम दी गई, जबकि बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिला।

सीएम फडणवीस को लिखा पत्र



महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में, राउत ने अपने आरोपों के संबंध में तत्काल एवं स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की। राउत ने पत्र में कहा कि विस्थापित आदिवासी परिवारों को उनकी मूल जमीन पर फिर से बसाया जाना चाहिए, या फिर उन्हें कोई उपयुक्त वैकल्पिक जगह एवं मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और पुलिस प्रशासन संबंधित आदिवासियों को वहां से भगाने के लिए बल का प्रयोग कर रहे हैं।

नार्वेकर को तुरंत उनके पद से हटाना जरूरी

अगर यह सब अध्यक्ष के दबाव में हो रहा है, तो नार्वेकर को तुरंत उनके पद से हटाना जरूरी है। राउत ने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। शिवसेना (उबाठा) के राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि नार्वेकर और उनके पार्षद भाई मकरंद नार्वेकर काफी समय से अलीबाग तालुका में बड़े पैमाने पर जमीन खरीद रहे हैं, और उन्होंने गरीब आदिवासियों की जमीन को भी नहीं बख्शा है। राउत ने कहा, ''महात्रोली गांव में कटकारी आदिवासी परिवार की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करना, उनका घर गिरा देना और पूरे परिवार को बेघर कर देना - यह महाराष्ट्र की छवि पर एक कलंक है।'' उन्होंने दावा किया कि 24 मार्च 2024 और उसके बाद के दिनों में, रायगढ़ जिले में अलीबाग तालुका में महात्रोली गांव की कटकारी आदिवासी बस्ती (वाडी) में पीढ़ियों से रह रहे लगभग 20 आदिवासी परिवारों के घरों को अवैध रूप से गिरा दिया गया और उन्हें जबरन विस्थापित कर दिया गया।

तेजस्वी के लिए मंत्री ने दी अपनी कुर्सी

» आठ नए एमएलसी के शपथ ग्रहण के दौरान दिखी अलग राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधान परिषद को सोमवार को आठ नए सदस्य मिल गए हैं। हाल ही में संपन्न स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में जीत हासिल करने वाले आठ नव-निर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को सदन की सदस्यता की शपथ ली। बिहार विधान परिषद के आठ नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक दिलचस्प घटनाक म देखने को मिला।

सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पहुंचने पर उनके लिए कुर्सी की व्यवस्था नहीं थी। यह देखते ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों से उनके बैठने के लिए कुर्सी लगाने को कहा। इसके बाद मंत्री रामकृपाल यादव ने अपनी कुर्सी तेजस्वी



यादव को दे दी और उनके लिए दूसरी जगह कुर्सी लगाई गई। तेजस्वी यादव बाद में उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव के बगल में जाकर बैठे, जहां दोनों नेताओं के बीच बातचीत भी हुई। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधान परिषद के सभापति समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। आठ नवनिर्वाचित विधान पार्षदों के शपथ ग्रहण के बीच कुर्सी को लेकर हुए इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में खूब ध्यान खींचा।

समारोह दोपहर विधान परिषद के सभागार में आयोजित समारोह में कार्यकारी सभापति प्रो. रामवचन राय ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाइ। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा सरकार के कई मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल होने पहुंचे। आज लंबे समय से शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे कुछ पुराने चेहरों की जगह नए सदस्य सदन में पहुंचेंगे।

जन सुराज ने पहली बार विधान परिषद में खोला खाता

इस चुनाव के नतीजों ने विधान परिषद की राजनीतिक तस्वीर में कुछ बदलाव किए हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज कर पहली बार उच्च सदन में अपना खाता खोला। वहीं पटना शिक्षक सीट पर एनडीए को 30 साल बाद हार का सामना करना पड़ा। यहां से भाजपा प्रत्याशी नवल किशोर यादव को राजद के डॉ. संजीव कुमार ने हरा दिया। तिरहुत स्नातक पर जदयू प्रत्याशी अभिषेक झा को निर्दलीय उम्मीदवार वंशीधर ब्रजवासी ने हरा दिया। वहीं सबसे चर्चित सीट पटना स्नातक सीट पर जदयू ने फिर से जीत हासिल की।

ध्रुव राठी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

» अपलोड किए गए एक वीडियो से संबंधित है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 के मानहानि मामले में सोमवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट अनाम रईस खान ने यह वारंट विकास संस्कृत्यायन उर्फ विकास पांडे की ओर से दायर मामले में जारी किया।

यह मामला राठी के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो से संबंधित है। मामले में आगे की सुनवाई तीन दिसंबर को होगी। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। इससे पहले, 31 अक्टूबर को अदालत ने राठी के खिलाफ नए सिरे से जमानती वारंट जारी किए थे। अदालत ने उनके खिलाफ 17 अक्टूबर को जमानती वारंट जारी किया था। उस समय अदालत के प्रक्रिया सर्वर ने बताया था कि नोटिस तामील कराने के लिए उनके घर पहुंचने पर मकान बंद मिला। अदालत ने राठी को हरियाणा के गुरुग्राम स्थित उनके पते पर नए समन भी जारी किए थे।

सरकार खतरनाक योजना बना रही : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद के आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा में विलंब और परिसीमन के मुद्दे पर सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी या तो असमंजस में है या फिर कोई बेहद खतरनाक योजना बना रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब शुरू होगा। वहीं शशी थरूर ने रोजगार को लेकर सरकार को घेरा है। थरूर ने नौकरी चाहने वालों, खासकर कॉलेज से स्नातक करने वालों के सामने आ रही मुश्किलों पर प्रकाश डाला और कहा कि रोज़गार की स्थिति पर अधिक ध्यान देने की ज़रूरत है।



उन्होंने कहा लोग हमें बताते हैं कि नौकरी पाना बहुत मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी आखिर क्या खेल खेल रही है, बशर्ते कि यह जोड़ी अब भी साथ है? उन्होंने कहा, अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा, बशर्ते कि शीतकालीन सत्र आयोजित किया जाएगा। रमेश ने कहा, अब तक देश को यह भी पता चल जाना चाहिए था कि संसद का मानसून सत्र दोबारा कब बुलाया जाएगा जिसका अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है, बशर्ते इसे दोबारा बुलाया जाए।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न थानों में दर्ज छह आपराधिक मामलों में तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को दंडात्मक कार्रवाई से मिली अंतरिम राहत की अवधि सोमवार को बढ़ा दी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने इस साल मई से बनर्जी के खिलाफ दर्ज छह मामलों के संबंध में उनकी ओर से दायर दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अंतरिम राहत की अवधि बढ़ाई।

डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी को मिली यह राहत 26 फरवरी 2027 तक या अदालत के अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) लागू रहेगी। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने इनमें से तीन मामलों में 25 अगस्त को दी गई अंतरिम राहत की अवधि बढ़ाने संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और परिस्थितियों में ऐसा कोई बदलाव नहीं आया है जिसके आधार पर बनर्जी को राहत की अवधि बढ़ाने से इनकार किया जाए। विशेष अनुमति याचिका में खामियां हैं।



महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा